मध्य प्रदेश की नदियाँ

नर्मदा

- **उद्भव:** अनूपपुर जिला में अमरकंटक
- **अंत:** अरब सागर में खंबात की खाड़ी
- **बहती है:** मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात
- **लंबाई:** 1,312 कि.मी.
- **सहायक नदियां:**
    - **बाईं सहायक नदियां** – बुरनेर नदी, बंजर नदी, शेर नदी, शक्कर नदी, दुधी नदी, तवा नदी, गंजल नदी, छोटा तवा नदी, कावेरी नदी, कुंडी नदी, गोई नदी, करजन नदी।
    - **दाईं सहायक नदियां** – हिरन नदी, टेन्डोनी नदी, कोरल नदी, कोलार नदी, मैन नदी, ऊरी नदी, हटनी नदी, ओरसंग नदी।
- **परियोजनाएं:** सरदार सरोवर बांध (नावेगांव गुजरात), महेश्वर बांध (महेश्वर), मान बांध (धार), इंदिरा सागर बांध (खांडवा), बारगी बांध (बारगी, जबलपुर), गोई बांध (बधवानी), जोबट बांध (झबुआ)।
- **मुख्य बिंदु:**
    - इसे कई मायनों में गुजरात और मध्य प्रदेश राज्य के लिए अपने विशाल योगदान हेतु "गुजरात और मध्य प्रदेश की जीवन रेखा" के रूप में भी जाना जाता है।
    - यह प्रायद्वीपीय भारत में केवल तीन प्रमुख नदियों में से एक है जो ताप्ती नदी और माही नदी के साथ पूर्व से पश्चिम (सबसे लंबी पश्चिम में बहने वाली नदी) तक जाती है।
    - इस नदी पर मुख्य जलप्रपात दूध धारा (अनूपपुर), कपिल धारा (अनूपपुर), दूध सागर (जबलपुर), सहस्तधारा (महेश्वर), दर्दी (बड़वाह) हैं।
    - यह भारत में बहने वाली नदियों में से एक है जो सतपुड़ा और विंध्य पर्वतमाला के बीच पश्चिम की ओर बहते हुए रिफ्ट घाटी में बहती है।

चंबल

- **उद्भव:** विंध्या रेंज में जनापाव हिल्स
- **अंत:** इटावा में यमुना नदी (उत्तर प्रदेश)
- **बहती है:** मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश
- **लंबाई:** 885 कि.मी.
- **सहायक नदियां:**
    - **बाईं सहायक नदियां** – बनास, मेज
    - **दाईं सहायक नदियां**- पारबती, काली सिंध, शिप्रा

byjusexamprep.com

- **परियोजनाएं: गांधी सागर बांध (मंदसौर), राणा प्रताप सागर बांध (रावतभाटा जिला, राजस्थान), जवाहर सागर बांध (कोटा, राजस्थान), कोटा बैराज (कोटा, राजस्थान)**
- **मुख्य बिंदु:**
    - चंबल को महाभारत में चर्मण्यवती के रूप में जाना जाता है, जिसका अर्थ है जो हजारों पशुओं की बली के रक्त से उत्पन्न है।
    - चूलिया जलप्रपात भैंसरोडगढ़ के पास चंबल नदी के 5 किलोमीटर धारा के प्रतिकूल है।
    - यह पुरानी विंध्य पर्वतमाला से व्युत्पन्न होती है और एक उत्तर-पूर्वी दिशा में बहती है तथा यमुना नदी की दूसरी सबसे बड़ी सहायक नदी है।
    - चंबल नदी को भारत की सबसे स्वच्छ नदियों में से एक माना जाता है और आश्चर्यजनक जीवों जैसे घड़ियाल, मगर, डॉल्फ़िन आदि का घर है।
    - राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य भी चंबल नदी के तट पर स्थित है, जिसका उद्देश्य घड़ियालों और मगरमच्छों की रक्षा और संरक्षण करना है तथा यह पर्यटन के लिए एक स्थान भी प्रदान करता है।

सोन

- **उद्भव:** अनुपपुर जिले में अमरकंटक
- **अंत:** पटना में गंगा (बिहार)
- **बहती है:** छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार
- **लंबाई:** 784 कि.मी.
- **सहायक नदियां:**
    - **बाईं सहायक नदियां** - घघर नदी, जोहिला नदी, छोटी महानदी नदी
    - **दाईं सहायक नदियां** - गोपद नदी, रिहंद नदी, कन्हार नदी, उत्तर कोयल नदी
- **परियोजनाएं:** बाणसागर बांध (शहडोल, मध्य प्रदेश), इन्द्रपुरी बैराज (रोहतास, बिहार)
- **मुख्य बिंदु:**
    - सोन नदी एक बारहमासी नदी है जिसे स्वर्ण (गोल्डन) नदी के नाम से भी जाना जाता है।
    - सोन नदी पर बने प्रसिद्ध पुल अर्राह के पास अब्दुल बारी पुल और डेहरी में नेहरू सेतु हैं।
    - सोन नदी का कवरेज एरिया सिस्टम उत्तर में विंध्याचल श्रेणी, पूर्व में पुन पुन नदी और छोटा नागपुर पठार से घिरा हुआ है।
    - दक्षिणी ओर से सोन नदी बघेलखंड पठार और महादेवा पहाड़ियों से घिरी हुई है तथा पश्चिमी ओर से मैकाल और भामवेर पर्वतमाला के जंगल हैं।

सिंध

- **उद्भव:** विदिशा जिले में मालवा का पठार

byjusexamprep.com

- **अंत:** जलांऊ में यमुना (उत्तर प्रदेश)
- **बहती है:** मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश
- **लंबाई:** 470 कि.मी.
- **सहायक नदियां:** पहुज, महुअर, कुंवारी, वैशाली
- **परियोजनाएं:** मनीखेड़ा बांध (शिवपुरी)
- **मुख्य बिंदु:**
    - मध्य प्रदेश राज्य में इस नदी का कुल जलग्रहण क्षेत्र 26698 वर्ग कि.मी है।
    - सिंध नदी यमुना नदी की एक सहायक नदी है।
    - इसकी कुल लंबाई 470 किलोमीटर है, जिसमें से 461 किलोमीटर मध्य प्रदेश में और 9 किलोमीटर उत्तर प्रदेश में है।

ताप्ती

- **उद्भव:** बैतूल जिले में मुलताई
- **अंत:** अरब सागर में खंभात की खाड़ी
- **बहती है:** महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश
- **लंबाई:** 724 कि.मी.
- **सहायक नदियां:** पूरना नदी, गंजाल नदी, अंभोरा नदी, तावा नदी, गिरना नदी
- **मुख्य बिंदु:**
    - तापी नदी प्रायद्वीपीय भारत में केवल तीन नदियों में से एक है जो पूर्व से पश्चिम तक बहती है – अन्य नदियां नर्मदा नदी और माही नदी हैं।
    - ताप्ती बेसिन 65,145 वर्ग कि.मी के कुल क्षेत्रफल तक फैला हुआ है, जो भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 2.0% है।
    - नदी उत्तरी समानांतर नर्मदा नदी के साथ उत्तर और दक्षिण भारत के बीच की सीमा बनाती है।
    - सूरत में ताप्ती नदी का उपयोग माल के निर्यात के उद्देश्य से प्रमुख बंदरगाहों के रूप में किया गया तथा हज के लिए मक्का नामक मुस्लिम तीर्थ यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव स्थल के रूप में भी इसका इस्तेमाल किया गया।

शिप्रा

- **उद्भव:** इंदौर जिला में ककरी बर्दी
- **अंत:** मंदसौर जिले में चंबल
- **बहती है:** मध्य प्रदेश और राजस्थान
- **लंबाई:** 195 कि.मी.

byjusexamprep.com

- **सहायत नदियां:** खान नदी, गंभीर
- **मुख्य बिंदु:**
    - उज्जैन का पवित्र शहर शिप्रा नदी के दाहिने तट पर स्थित है। इस शहर के घाटों में प्रत्येक 12 वर्ष में एक बार प्रसिद्ध कुंभ मेला आयोजित किया जाता है।
    - नर्मदा शिप्रा सिंहस्थ लिंक परियोजन, मुंडला दोसदार एक परियोजना है जो शिप्रा नदी को नर्मदा नदी से जोड़ती है। यह परियोजना बिजली का उपयोग करके नर्मदा नदी से पानी लेती है, और फिर इसे पाइपों के माध्यम से शिप्रा नदी के स्रोत तक पहुंचाती है।
    - शिप्रा नदी का सबसे लोकप्रिय घाट "राम घाट" है। राम घाट शिप्रा नदी का सबसे प्राचीन घाट है।
    - शिप्रा को मालवा क्षेत्र की गंगा के रूप में भी जाना जाता है।

केन

- **उद्भव:** कटनी जिला में विंध्याचल पर्वत
- **अंत:** बांदा में यमुना (उत्तर प्रदेश)
- **बहती है:** मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश
- **लंबाई:** 427 कि.मी.
- **सहायक नदियां:**
    - **बाईं सहायक नदियां** - बवास, देवर, कैथ और बैंक
    - **दाईं सहायक नदिंया – कोपरा और बेरमा**
- **परियोजनाएं:** गंगऊ बांध (खजुराहो)
- **मुख्य बिंदु:**
    - यह यमुना नदी की एक सहायक नदी है।
    - नदी परियोजना की केन-बेतवा इंटर लिंकिंग का उद्देश्य भारत के सबसे खराब सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र को सिंचित करने के लिए एक ठोस नहर के माध्यम से केन नदी से बेतवा बेसिन तक अधिशेष जल स्थानांतरित करना है।
    - केन नदी पर स्थित रेने जलप्रपात और केन घड़ियाल अभयारण्य पर्यटकों के आकर्षण हैं।
    - यह दुर्लभ अर्ध-कीमती पत्थर के लिए प्रसिद्ध है जिसे शहजर या शजार के रूप में जाना जाता है, जो खनिज एगेट के पारदर्शी रूप में डेन्ड्राइट से युक्त होता है।
    - केन नदी पन्ना राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती है।
    - केन घाटी रीवा पठार को सतना पठार से अलग करती है।

टोंस (तमसा)

- **उद्भव:** सतना जिले में कैमूर रेंज

byjusexamprep.com

- **अंत:** बलियां में गंगा (उत्तर प्रदेश)
- **बहती है:** मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश
- **लंबाई:** 264 कि.मी.
- **सहायक नदियां:** बीहर नदी, महाना नदी, ओड्डा नदी, बेलाह नदी
- **परियोजनाएं:** गंगा बैराज, माटाटिला बांध, परीछा बांध, राजघाट बांध, रिहंद बांध, लोअर शारदा बैराज।
- **मुख्य बिंदु:**
    - तमसा नदी गंगा नदी की एक सहायक नदी है।
    - चचाई जलप्रपात बीहर नदी, तमस की एक सहायक नदी पर स्थित है, केटी जलप्रपात महाना नदी, तमस की एक सहायक नदी पर स्थित है तथा ओड्डा जलप्रपात ओडडा नदी, बेल्हा नदी की एक सहायक नदी पर स्थित है जो स्वयं तमसा की एक सहायक नदी है।
    - रामायण में इस नदी का उल्लेख मिलता है, इस नदी पर राम ने वनवास के 14 वर्षों के दौरान अपनी पहली रात बिताई थी।

बेतवा

- **उद्भव:** रायसेन जिले में कुमारागांव
- **अंत:** हमीरपुर में यमुना (उत्तर प्रदेश)
- **बहती है:** मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश
- **लंबाई:** 480 कि.मी.
- **सहायक नदियां:** कलिआसोटे, हलाली, बाह, सागर, बुढ़ना, जमनी, बिना
- **परियोजनाएं:** राजघाट बांध (अशोक नगर जिला), माटाटिला बांध (ललितपुर, उत्तर प्रदेश), परीछा बांध (झाँसी, उत्तर प्रदेश), धुर्वा बांध (ललितपुर, उत्तर प्रदेश)।
- **मुख्य बिंदु:**
    - बेतवा या बेत्रवती उत्तरी भारत में एक नदी है और यमुना की एक सहायक नदी है।
    - बेतवा का उल्लेख महाभारत में वेत्रवती नदी के रूप में मिलता है, जिसका अर्थ है नरकट (रीड)।
    - भारतीय नौसेना ने बेतवा नदी के सम्मान में अपने एक युद्धपोत आईएनएस बेतवा का नाम रखा।
    - भालकुंड जलप्रपात बीना नदी पर स्थित है जो बेतवा नदी की एक सहायक नदी है।

माही

- **उद्भव:** धार जिले का मिंडा गांव
- **अंत:** अरब सागर में खंबात की खाड़ी
- **बहती है:** मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात

byjusexamprep.com

- **लंबाई:** 580 कि.मी.
- **सहायक नदियां:** सोम, जखम, मोरान, अनास और भादर
- **परियोजनाएं:** बांसवाड़ा बांध/ माही बजाज सागर बांध (बांसवाड़ा, राजस्थान), वनकबोरी बांध (वनकबोरी, गुजरात), कडाना बांध (माहीसागर, गुजरात)
- **मुख्य बिंदु:**
    - यह ताप्ती नदी, साबरमती नदी, लूनी नदी (एंडोरिक नदी) और नर्मदा नदी के साथ भारत में पश्चिम की ओर बहने वाली नदियों में से एक है।
    - यह नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
    - इस नदी के जल निकासी क्षेत्र को 'छप्पन का मैदान' भी कहा जाता है।

मध्य प्रदेश में नदियों के बारे में कुछ तथ्य:

नदियों के प्रवाह की दिशा

उत्तर की ओर बहने वाली नदियाँ	Chambal, Sone, Betwa, Ken, Kali Sindh and Parvati
दक्षिण की ओर बहने वाली नदियाँ	Wainganga, Pench and Wardha
पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ	Narmada, Tapti and Mahi

शहर और उनके रिवरबैंक

शहर	नदी	शहर	नदी
Balaghat	Wainganga	Ujjain	Shipra
Datia	Sindh	Pachmarhi	Tawa
Barwani	Narmada	Sonekatch	Kali Sindh
Sanchi	Betwa	Guna	Betwa
Sheopur	Chambal	Ratlam	Chambal
Vidisha	Betwa	Mandla	Narmada
Nimar	Narmada	Jhabua	Narmada
Jabalpur	Narmada	Mahu	Chambal
Bundelkhand	Betwa	Hoshangabad	Narmada
Dhar	Narmada	Shajapur	Parvati
Maheshwar	Narmada	Omkareshwar	Narmada
Rajgarh	Parvati	Multai	Tapti
Burhanpur	Tapti	Dewas	Kali Sindh
Orchha	Betwa	Shivpuri	Sindh

byjusexamprep.com

नदी और उनके संगम का स्थान

नदी	संगम का स्थान
Narmada	Gulf of Khambat
Chambal	Yamuna River (Etawah)
Tapti	Gulf of Khambat
Kali Sindh	Chambal River (Rajasthan)
Betwa	Yamuna River (Hamirpur)
Shipra	Chambal River
Ken	Yamuna River
Parvati	Chambal River
Sindh	Chambal River
Tawa	Narmada River
Kunwari Sindh	Chambal River
Kunu	Chambal River
Wardha	Wainganga River (Maharashtra)
Wainganga	Godavari River

byjusexamprep.com